have any information to the contrary. So far as our side is concerned, London is over-represented and, as I have already told the House, there is a substantial cut going on.

So far as the point raised by the Hon. Member in regard to actual processing of these cases is concerned, I may inform the House that officers of our own High Commission have visited the airports several times. The acting High Commissioner himself visited the Airport just to satisfy himself that there is no inordinate delay ordinarily. This has been done time and again. But, still there have been some cases where hardship has been caused: such cases have been promptly taken up and efforts have been made to redress them.

Indo-Iran Collaboration

+

*46. SHRI RAM VILAS PASWAN:
PROF. AJIT KUMAR MEHTA:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Government of Iran had sought India's collaboration in setting up a number of industrial estates in Iran;

(b) if so, the fields in which India's collaboration has been sought by the Iranian Government and whether Government have agreed to the request made by the Government of Iran; and

(c) if so, its likely impact on India's political and economic relations with the countries who have imposed sanctions against Iran?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P. V. NARASIMHA RAO): (a) and (b). Preliminary discussions have been going on between the Governments of Iran and India since the middle of the year to explore various possible areas of economic and technical cooperation between the two countries. The Government of Iran have, however, not made any formal request for Indian collaboration in setting up industrial estates in Iran.

(c) Does not arise.

श्री रामविलास पासवान : माननीय अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने अपने उत्तर में कहा है कि आर्थिक विषयों पर प्रारंभिक बातचीत चल रही है लेकिन 15 अगस्त, 1980 के स्टेटसमैन की ओर मैं आप का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं जिसके अनुसार भारत के साथ 26 करोड़ रुपये का सौदा तेहरान में हो चुका है और कई करोड़ के सौदे पर बातचीत चल रही है। मंत्री महोदय ने जो जवाब दिया है उससे ऐसा लगता है कि आर्थिक विषयों पर अभी प्रारंभिक बातचीत चल रही है। दोनों में वस्तुस्थिति क्या है?

श्री पी० वी० नरसिंह राव: वस्तुस्थिति यही है कि यह एक धारावाहिक कार्यवाही है जो रुकने वाली नहीं है। यह लगातार हो रही है। कुछ हुई है, कुछ हो चुकी है। मैं यह भी बताना चाहता हूं कि केवल ईरान से ही नहीं, ईराक से और कई देशों से हमारी इस संबंध में बातचीत हो रही है।

श्री रामविलास पासवान: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय किसी भी तरह से सेटिसफाई कर देते हैं। इनका जवाब अस्पष्ट है। ताजे समाचारों के अनुसार ईराक ने उन देशों से अपने राजनयिक संबंध तोड़ लिये हैं जिन देशों ने ईरान से सहयोग किया है और आप ईरान से सहयोग करने वाले हैं तो क्या आपने इस ओर भी ध्यान दिया है कि उनके साथ सहयोग से ईराक से राजनयिक संबंधों पर असर तो नहीं पड़ेगा?

श्री पी० वी० नरसिंह राव: अध्यक्ष महोदय, मै माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि हमारे संबंध ईरान और ईराक दोनों से है और किसी से भी संबंध टूटने का सवाल ही नही है और हमें इसकी कोई आशंका नजर नही आती है।

श्री अजीत कुमार मेहता : अध्यक्ष महोदय, भारत और ईरान के बीच कुदरेनुख लौह अयस्क परियोजना एक बदशक्ल गुत्थी के रूप मे उलझी हुई है। शाह के समय मे इस योजना के लिये ईरान ने 63 सौ लाख डालर देने की बात कहीं थी, जिसमें से अभी तक केवल 18 सौ लाख डालर का भुगतान ही हुआ है और बाकी पडा हुआ है और आगे ईरान ने लोह अयस्क आयात करने से भी इन्कार कर दिया है। इसके कारण भारत का इतना पैसा जो कि इस योजना पर खर्च हो चुका है, अधर मे लटका हुआ है। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूगा कि नया जो समझौता किया जायेगा उसका क्या हश होगा जबकि पुराने समझौते का ही ईरान सरकार पालन करने मे अपनी असमर्थता व्यक्त कर चुकी है ?

श्री पी० वी० नरसिंह राव : अलग अलग परियोजनाओं की जानकारी विदेश मंत्री को नहीं होती है। हम जो सम्बन्धित मंत्रालय होते है उनका और विदेशों के प्रतिनिधियों का सम्बन्ध जोड़ देने वाले हैं। उन में क्या समझौता होता है। इसकी दूसरे मंत्रालयों को होती है और उनका ही यह काम होता है। कोई आप विशेष प्रश्न पूछना चाहें तो उस मंत्रालय के मंत्री जी से पूछें या मुझ से भी आप पूछेंगे तो मैं वह जानकारी उनके माध्यम से लेकर आपको दे सकता हूं।

SHRI CHINTAMANI PANIGRAHI: Even today we have many Indo Iranian joint collaboration projects in Iran. The total investments amount to more than Rs. 2,000 crores, and there are thousands of our technicians who are working in Iran today. I would like to know from the hon. Minister whether, in view of this conflict, our Government has taken any steps or measures to safeguard our investments and our joint collaboration projects in Iran and if so, what measures have been adopted.

SHRI P. V. NARASIMHA RAO: It would be too early to give any specific reply because now both the countries are in a state of war. Naturally, the very first priority is war and nothing else. We do hope that the undertakings which are going on there will not be affected. We will see at the proper time that they are really not affected and they continue as before.

एटम बम बनाने के लिये पाकिस्तान के प्रयास

+

***48. श्री हरिकेश बहादुर :**
श्री पी० एम० सईद :

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को जानकारी है कि पाकिस्तान एटम बम बना रहा है ;

(ख) क्या भारतीय समाचार पत्रों में यह समाचार प्रकाशित हुआ है कि पाकिस्तान शीघ्र ही चीनी क्षेत्र में परमाणु परीक्षण करने वाला है ;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ; और

(घ) भारत सरकार अपनी सुरक्षा के लिये क्या कदम उठा रही है ?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI P. V. NARASIMHA RAO): (a) Government are aware that